सटीक संदेश देने से आइसीएआर व डीआइसी होगा लोकप्रिय

- किसान सारथी 2.0 पर क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन
- किसानों को दी गई खेती किसानी से जुड़ी अहम जानकारियां

संवाद सूत्र, जागरण• मानपुर: बिहार और झारखंड के कृषि विज्ञान केंद्रों के लिए किसान सारथी 2.0 पर एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन आइसीएआर-एटीआरआइ, पटना द्वारा मानपुर कृषि विज्ञान केंद्र में किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य केवीके के नोडल अधिकारियों और अन्य हितधारकों को किसानों को डिजिटल रूप से प्रमाणित सलाह देने, उनके प्रश्नों का त्वरित विशेषज्ञ उत्तर सुनिश्चित करने और सतत कृषि विकास के लिए सहयोगात्मक प्रयासों को बढ़ावा देने हेतु किसान सारथी मंच के प्रभावी उपयोग के लिए जागरूक करना और उनकी क्षमता निर्माण करना था। आइसीएआर-एटीआरआइ, पटना के निदेशक डॉ. अंजनी कुमार ने बताया कि किसान सारथी 2.0 वैज्ञानिकों और किसानों के बीच

क्षेत्रीय कार्यशाला में मौजूद अतिथि व अन्य • जागरण

एक प्रौद्योगिकी-आधारित सेतु का काम कर रहा है, जो उचित निर्णय लेने और कृषि उत्पादकता में सुधार का समर्थन करता है। डा. डी.वी. सिंह ने स्वागत भाषण दिया और कार्यशाला के उद्देश्य के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी। केके चतुर्वेदी ने किसान सारथी 2.0 पोर्टल में किसानों को शामिल करने के लिए केवीके द्वारा किए गए प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि किसानों को प्रभावी और सटीक संदेश देने से आइसीएआर और डीआइसी के संयुक्त उद्यम से हमारा पोर्टल देश भर में लोकप्रिय हो सकता है।

डा. एस. बी. लाल ने कृषि में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आइसीटी) के अनुप्रयोग के माध्यम से किसानों तक पहुंचने की प्राथमिकता पर जोर दिया। किसान सारथी ऐप पर देश के 2.75 करोड़ किसान जुड़े हुए हैं, जिनमें बिहार के 42.81 लाख और झारखंड के 9,27,000 किसान शामिल हैं। कार्यक्रम में वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान ई. मनोज कुमार राय ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। ई. विमलेश कुमार, डा. अशोक कुमार, डा. अनिल कुमार रवि, डा. फरहाना खातून, डा. मोनिका पटेल, डा. रश्मि प्रियदर्शी, श्री सुनील कुमार चौधरी, डा. पंकज कुमार तिवारी, प्रभात कुमार एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।